

DPN 6507

Title : ~~पाण्डवगीता~~ PĀNDAVA GĪTĀ

Run. No. 7232

Cat. No.

Micro. No.

Subject दृशनि Philosophy

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt.- New. / Maith.- New. / New.- Nep. /

Size in cms. 20 x 11

Folios 24 Lines (in a page) 6

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor

Date: NS / SS / VS / KS

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyāsaphu /

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

□

□ श्रीगणेशाय नम ॥ ॥ श्री सरस्वतिय नम ॥ पांदव उवाच ॥



पाण्डवगीता

10

5

0

cm. ts.

5

10

15

20

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्री गणेशाय नमः ॥ श्री लक्ष्म्याय नमः ॥
ॐ दत्तवाचः ॥ प्रह्लादनादुपराससुन्दरिकाया
सां वारिषसु कसौ न कानि कसौ काद्री रुकुमाग
दा गुनवति ह्यविनेषन द्या यता न हं पद्म
भागवतं नमामि ॥ १ ॥ ॐ नमो ह्यविनेषन ॥
धर्मो विधीतः श्रुतिस्मृत्यैरकृतनेन वापं प्रना

स्मृतिवृत्तौ दत्तकृतनेन सत्तु विनासेति धनं न
यत्कृतनेन साद्रि साद्रि सुलोकथयता न भवती
रोगा ॥ २ ॥ ॐ नमो ह्यविनेषन ॥ जेसा वाविगतराग
परापरा नाना एव नाना नरो नरा ना प्रसिध
तु पयो धरत स न पुन विवन्ति ॥ ३ ॥ इह उवाच
॥ नारायणो नाम नरो नराणां प्रसिद्धो रक्षणीत
पृथिव्यां मृत्युं जयन्तीति तं वा पश्यन्तं यं ह रतेषु
स्मृतिमपव ॥ ४ ॥ पुष्पिणि उवाच ॥ मेघस्याम

॥ पितृकौशेयवाशं श्रीत्याकौत्तुभोदसितांजं पु
रापोवेतं पुंराउरीकायतासविष्टुं वदसवंलोके कना
थं ॥ ५ ॥ श्रीमसेनइवाक ॥ जलोद्यमन्तसवरा
यराधराविष्णोकोछारिविलविभ्यममूतिना ॥ स
मुदतायेरावरारुहपितासमेस्यमुभजवापुसिद
गुअजुंनइवाथ ॥ अथिंत्पमकरमगतमकर
यंविभुप्रभुभापितपिस्त्यभावनत्रैलोक्यविस्त
रविभावभापितारुपिंपुपकोस्मिजतिमहाप
नां ॥ नकुलउवाक ॥ यदिजमनमध्यस्थाको

नपातागुवधातुयदियकुलविहितेजायतेपदि
सितेकुमिरातमपिगताश्चायेतेचातारातमि
मभवतुरुदीस्थेकेरावेभक्तिरेका ॥ ६ ॥ सतदेवइवा
क ॥ तस्ययजवरारुस्पविष्टुंरतुलतेजसापु
रासयेत्प्रकुर्वीततष्मपिनमोनमस्वकर्मफल
नीदिष्ठाकायायोनिवृजाम्यदतस्यत्पारुषिकेत
त्वपिभक्तिइष्टतुते ॥ माइडिइवाक ॥ कृदमे
राताकृदमसनुस्परतीरात्रौवकृदमपुगारु

स्त्रीताये ॥ ते जि व दे हा प्र वी सति कृ द्य ह वि पं था

म वरु त रु ता रो डो प तु वा व ॥ कि त्प पुं दि पु म

जे पु स री स पे ष र ह्ये पा गा च म न जेष पि च र त ॥ जा

त म्प मे भ व त क रा व त स्य ता दा त्व धे व भ क्रि र

व रा क्य मि आ री व ॥ १२ ॥ भु भ शो वा क ॥ ए को ॥ ५ ॥

दि कृ ह्य स्य कृ त प्र गा मी द सां श्व मे धि म दि मा
ति तु ल्यं द रा न्व मे धी पु न रे ति ज न्म कृ ह्य प्र गा

मि न पु त भ वा व ॥ १३ ॥ अ मि म तु वा च ॥ गो

वि द गो वी द ह रे म रा रे गो वी द गो वि द म कु द कृ

ह्य गो वि द गो वि र था डु पा गो गो वि द गो वि द त गो

न म ते ॥ १४ ॥ धृ ष्ट धु म्म इ वा व ॥ श्री रा म ता रा ध रा

वा भु दे व गो वि द वे कु रा म कु द कृ ह्य ॥ श्री के रा

व न द त मि ह वि धु मा त्र हि सं तु ज ग हृ ह्य ॥ १५ ॥

सा ते कि र ता व ॥ अ प्र मे य ह रे वि धु कृ ह्य दा मो द ह

च्युत ॥ गोविंदानां सर्वेषां सुदेवनमोस्तुते ॥ १६ ॥
उधरन उवाच ॥ वासुदेवपरिते यथां यदेव सुपासाय
तद्विभो गङ्गाविरहे कुवं नरि दुमति ॥ १७ ॥ श्रीमेव वाच ॥ अपा
समिधे सय नासनस्यः दिवा च रात्रौ पाथे गच्छाव ॥ वयसि
किंचित्सु क ॥ कृतमया जनार्दन हस्ते न कृतं न तु खेत्तु ॥ १८ ॥
स गय उवाच ॥ आर्तो विधे न सिद्धिः सात्त्विकेनादौ रेषु वा

प्रादिना वर्तमाना ॥ संकान्ता राघवनसद्वसावति सुकृपा
सुखिने भवन्ति ॥ १९ ॥ श्रीकृत उवाच ॥ अहमस्मि नाराय
दासदासदासस्य दासस्य वयासदास ॥ अने न भवे श्री
श्री जगते नारायणस्माद हृदये नरो हृदये दीप्त ॥ २० ॥
विदुष उवाच ॥ वासुदेवस्य यमत्यया सातासु कृतमा नसा
तेषां दासस्य दास्य हं न दे जन्मनि जन्मनि ॥ २१ ॥

मिषम वाच ॥ विचारिते पुकाले पुवति किरो पुवंध
पु ॥ लाहि मां कृपया कृष्ण सा नाग न वासलं ॥ २३ ॥
से ना वाच ॥ वाच ॥ ये ये हता भु कटं धटे न दे त्या वे
लो के ना थो न जना धने न ॥ ते मे ग ना वि धु पु टि पु
भा ना को गो वि दे व स्य च टे न उ ल्यं ॥ २३ ॥ कृ वा वाच
वाच ॥ ग न ग म फ लां मि दं म धु के न भा रे भ त्प्रा र्थ

नियमदु गृह पुषयं व ॥ २४ ॥ मोदु च भ त्प्रा र्थ
टि चार क भ त्प्रा र्थ भ त्प्रा र्थ भ त्प्रा र्थ भ त्प्रा र्थ भ त्प्रा र्थ
क ना थ ॥ २५ ॥ अल्य ल्या मा वाच ॥ गो वि द के न
व ग ना ध न वा ल दे वा वि दे स वि स म धु उ दं ग वि रू प
श्री पद्म ना भ पु रू पो न म पु स्के र दे न गू प रा च
न टि सि ह ॥ २६ ॥ वि द गो वि द के स व ज ना ध ॥ वा लु दे

वैमल्लुदः विल्लुदः पद्मनाभः नारायणः अच्यु
त्ताराहः हे नाम रूप धातु गन्धस्पर्शस्पर्शस्पर्श
न स्कार गन्धः ॥ कर्तृत्वम् ॥ नान्य वदामि
न श्वरोगामि नावेतदामि ना यत्नरामि न भजामि न वा
मि ॥ भक्त्या लोदि यचरन् जमादरेण स्त्रीः स्त्रीति

वाप्यपुद्गलः समदृष्टिः सत्यः ॥ २६ ॥ तेषां मेत्वा
मेतेषां गार्ग्यं न जप पूजा गार्ग्यं स्मरणं गार्ग्यं अ
र्चना कोटिद्यै न सर्वे तत्राणि कोचं रणद्वयं ॥ मेतेषां
गार्ग्यं ॥ २६ ॥ ~~नमो नमस्कारः~~ नमो नमस्कारः का
नायना राणा यमि वरि क्रम य ॥ स्त्रीणां पुत्र कायि
जदाश्च तद्यतनो स्तुते तत्स्यै पुत्रं जेत माय ॥ २७ ॥
प्रणमनं मस्मरं गन्धं वाप्य आवले वा वत्र रूप
भै नारायण त्रीविक्रम गणेश वर वारं गणेश वर

२०
१५
१०
५
०
० cmts. 5 10 15 20
आरि एत्तो पुरुषो तम नारायण कान वारं वारं नमस्कर
रह्य ॥ १० ॥ जा आ पुरुषा य ॥ त्वमेव माता पिता त्वमे
व त्वमेव वधुश्च त्वात्पमेव ॥ त्वमेव विद्या इविता
तो मेव त्वमेव सर्वं मम देव देवं ॥ २२ ॥ हे प्रभु देव
देवं ता का प्रति देवं हो माता पिता माई वं धू स्व मि
विद्या इका सर्वे चरण र विन्द हो सकल इकार
जन्म जावत्सु मनी भं छर ॥ उप धु वाच ॥

॥ अच्युत नन्द जो विन्द मा धावा नन्द के सब ॥ दक्ष
हम विद्वान् हवि के स वा सु देव न मो सु ते ॥ २२ ॥
हे अच्युत जो विन्द मा धाव हे अनन्त के राव हे दक्ष
हवि के सहे वा सु देव एत्ता पुरुष आरणा जन्म
कन मेरो वारं वारं नमस्कार रह्य ॥ जय इथ इवाच ॥
नमस्तस्मै य देवाय प्रसन्नो नमस्तुते ॥ यो जे
भराय यो जाय तामह सरणा जात ॥ ३० ॥ हे दक्ष

ॐ स्व रूपः परब्रह्म अत्र मुक्तिं जोग रूप ॥ यो जात्या
तमा जि का चरता म न म स्कार ॥ विकरता इ वाच ॥
हस्त द्वाय का सु देवा य देव कि न द ता य च ॥ न न्द ज
प कु मार य त म न म ॥ ३१ ॥ हे हस्त द्वाय देव कि का
पुत्र वा सु देव न न्द जोग ल विरा ज ग नी य सा रा म क
हस्त क न हे पर मे स्वर त पा जि क न वा र वा र न म स्कार
र ॥ स्तोम द त इ वा चा ॥ नमः प्रेम क ल्पारां

जो विन्दा य ॥ नमः स्ते विस्व भा व नं ॥ वा सु देवा य सा
ता का य य इ ना प त य न म ॥ ३२ ॥ हे पर मे स्वर पर क
ल्पा न दि न्पा इ स्वर भा व ना सा त स्व रूप ए ता पर मे
स्वर का चरता म न म स्कार ॥ विरा त इ वा च ॥ नमो
प्रह्म रा देवा य जो प्रह्म रा हि ता य च ॥ जग धी ता य
हस्त द्वाय जो विन्दा य नमो नमः ॥ ३३ ॥ हे हस्त द्वाय जो वा
ह्न रा का देव ता सा क ल सं सार क न इ धा र ज णी
य सा जो विन्दा य नम स्कार ॥ रा ल्प इ वा च ॥ ३४

तसि पुष्पसंकासं प्रित वास समुच्युतं ॥ ये च स्मरन्ति
जो विन्दत ते प्राविद्यते भयं ॥ २४ ॥ हे जो विन्दत प्राप्ति
को वस्व अतसि पुष्प जस्तो असल पितामुर च हि
रिर ह्मा का हे अव्युत तपा जी का चर न मास वे प्रा
शिले नमस्कार गद्यं न भय द्ये न ॥ वल भ इ इ वाच
॥ **क ह्म ह्म ह्म ह्म पालु वं** मगति भां गति भव ॥
संसार नं व मगता तां प्रसिद्ध पुरुषो तम ॥ २५ ॥

हे ह्म ह्म करुणा मय श्री संसार पाप का समु
ह माहु विरह्या कामनुष्य कन गति दि न्या तपा
जि ह्म ॥ श्री ह्म ह्म उवाच ॥ ह्म ह्म ति ह्म ह्म ति
यो मां स्मरति निपस ॥ जलं भित्वा यथापद्यत
रका दुःख शय्य हं ॥ २६ ॥ जस्मनुष्य ले श्री ह्म ह्म
म नित्य नित्य तम ले जात स्मनुष्य कन प्राणा
माहु वा को क म गप त्र नि का लि रा वे द्य न ॥ तत्ते

प्रापतासगरिवेकुशमापुन्याईदिन्याहृन् ॥ सते
प्रुकिमिमनुअस्ययमुहुंवाह यमासुकुन्दन
रसिंहजनदंतेति ॥ जिवन्पनतेनुदितंस्म
ररोररोवपाषाटाकासलपापदप्रम्येतिषं ॥
॥ ३१ ॥ हे लोकससारकामनुष्यहो जसूनेमे
रेनाममुकुन्दनरसीहजनादंनमनिध्यान
जपगर्ला ॥ तस्मिन्सत्यरूपवेकुशवास

मिलहृन् ॥ इत्यरुवाच ॥ त्यक्तनारायणो
पुत्रापुत्राकल्पसतत्रयं ॥ गंगादिसर्वति
थानांलोभिवतिपुत्रकम् ॥ ३८ ॥ जसूनारा
यनकोनामदिनरपुतिजगन्मोलाई ॥ प
त्मादिजंगादितिर्थमाक्षानागर्पपुत्रागर्पवा
हिनामलिकनध्यानगग्यावेनवदोपुम्पद्य ॥ ३८ ॥
सेतुवाच ॥ गवैमंगगामुनाचतत्रगेदवरिहिंनु

सरस्वति सवीरिणिति र्थं विवर्तितं यत्र चतुर्दशकथा प्र
संग ॥ ३७ ॥ आह हरिकथा सा वाचिहः तस्याऽमा गंगत्र
जमुना सरस्वतिसर्वेति र्थं आह विसृज्य तव तस्याऽमा
पवित्रभूमिं सकृदसर्वे पुराणेषु भवतमम्या शेषा
मात्रं वासि सुपुरति र्थं भूतानां गंगा को पुण्य पाई ह ॥ ३७ ॥
गमना च ॥ नरके पचामा ने तु यमे न मरि भारिव तं ॥ किं वा
मा नार्चि तो देव कौशवल्केश नाशन ॥ ३८ ॥ हरिको नाम लि
कन पुत्रा गार्ध कथा सा पुण्य तस्कन नरक वास सुदेन

॥ ३८ ॥ जन्मान्न रसहस्रे न तपो ध्या न समाधि ॥ नराणां
दिन पापा नां कुक्षम भक्ती प्रसादा ते ॥ ३९ ॥ को हि मनुष्य
कुक्षम को भक्ती गार्ध न पापि जेह सुषमा पानि च न कोई
छा गार्ध च न ले दान गार्ध सकृद्विचर पाई ह मनुष्य मा ऊ मा
रुन्द सा सुत माया कन कज चर्म ले ला ॥ ४० ॥ प्रताप कथा
च ॥ नाठ गो नि सहस्रे पुमे पुये पुत्र जमे ह ते पुते पु कला
भक्ती र च्युता स्म सदा लति ॥ ४१ ॥ हे प्रभु श्री कुक्षम उ

10

5

0

cm.

5

10

15

20



श्री गणेशाय नमः प्रनमो हिलक्ष्मी देवी गौरी पुत्र
विना नायक

रागावसरा

१०३०

20

15

10

5

0

cm.

5

10

15

20





20

15

10

5

0

cm.

5

10

15

20













